प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 12 जून, 2025 :-

(1) राज्यपाल महोदय ने वनवासी अंचलों में शिक्षा एवं जागरूकता हेतु वनवासी कल्याण केंद्र, झारखण्ड एवं श्रीहरि वनवासी विकास समिति, झारखंड के कार्यों की सराहना की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज राज भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में वनवासी कल्याण केंद्र, झारखण्ड से संबद्ध श्रीहरि वनवासी विकास समिति, झारखण्ड द्वारा जनजातीय अंचलों में शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार-प्रसार सदैव एक बड़ी चुनौती रहा है। दूरस्थ गाँवों की भौगोलिक स्थिति, सीमित संसाधन, सामाजिक संकोच और आर्थिक बाधाओं के बावजूद यदि कोई संगठन निःस्वार्थ भाव से शिक्षा के दीप जलाता है, तो वह केवल विद्यालय नहीं, अपितु भविष्य, आत्मबल और सामाजिक दिशा भी गढ़ता है।

राज्यपाल महोदय ने प्रसन्नता व्यक्त की कि समिति द्वारा वर्तमान में राज्य के 11 जिलों के 6 प्रखंडों में

80 सरस्वती शिशु विद्या मंदिर संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 26 उच्च विद्यालय तथा 54 प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय शामिल हैं। इन विद्यालयों में 17,500 से अधिक छात्र-छात्राएँ, 1951 गाँवों से आकर अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने इन विद्यालयों की शैक्षणिक उपलब्धियों को अत्यंत प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में सम्मिलित 1266 छात्रों में से 28 छात्रों ने 90% से अधिक, जबकि 68 छात्रों ने 85% से अधिक अंक अर्जित किए हैं। उन्होंने सिमडेगा की भारती कुमारी एवं सुमंत सिंह के जिला टॉपर बनने, अनुज कुमार साहू के जिला में चतुर्थ स्थान और गुमला की सोनी कुमारी के जिला में पंचम स्थान प्राप्त करने को वनवासी प्रतिभा की सशक्त अभिव्यक्ति बताया।

माननीय राज्यपाल ने तपकरा विद्यालय के पूर्व छात्र श्री सोहन यादव का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि उनका इसरो में वैज्ञानिक के रूप में चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 जैसे ऐतिहासिक अभियानों में योगदान देना यह सिद्ध करता है कि यदि अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो वनवासी बच्चे भी राष्ट्र को गौरवान्वित कर सकते हैं, उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने समिति द्वारा संचालित निःशुल्क निर्माण कोचिंग सेंटर के माध्यम से संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा आयोग जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में

किए जा रहे योगदान की सराहना की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वनवासी कल्याण केंद्र केवल पाठशालाओं तक सीमित न रहकर, सामाजिक उत्थान, ग्राम विकास, स्वास्थ्य, संस्कार, राष्ट्रभावना और नेतृत्व निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी कार्य कर रहा है, जो अत्यंत सराहनीय है।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय द्वारा सुमन रमेश तुलस्यानी ट्रस्ट, मुंबई द्वारा विवेकानंद विद्यालय, लचरागढ़ (सिमडेगा) के लिए प्रदत्त दो नवीन स्कूल बसों को झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि ये बसें केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, प्रगति और सामाजिक परिवर्तन की यात्रा का प्रतीक हैं।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज दैनिक समाचार पत्र 'प्रभात खबर' द्वारा गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल, पी.पी. कंपाउंड, रांची में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह' में सम्मिलित होकर असाधारण प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रभात खबर न केवल एक समाचार पत्र के रूप में, बल्कि झारखंड की जनभावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में भी अख़बार की विश्वसनीयता और गहराई बनी हुई है और प्रभात खबर ने यह सिद्ध किया है कि निष्पक्ष एवं जनसरोकार से जुड़ी पत्रकारिता आज भी जनमानस का विश्वास अर्जित कर सकती है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि समाचार पत्र केवल सूचनाओं का माध्यम नहीं, अपितु जनचेतना और सामाजिक दिशा का वाहक होता है। उन्होंने 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इन बच्चों की सफलता न केवल उनके परिवारों के लिए, बल्कि पूरे झारखंड राज्य के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि सच्ची प्रतिभा केवल परीक्षा में प्राप्त अंकों से नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता से

मापी जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को केवल रोजगार का साधन न मानें, बल्कि उसे समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का माध्यम बनाएं।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि कई विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों के बावजूद शीर्ष स्थान प्राप्त कर रहे हैं, जो समाज के लिए एक सुखद संकेत है। लेकिन आज भी अनेक मेधावी छात्र केवल संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित हैं। ऐसे में यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दें। उन्होंने सक्षम नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने घरेलू कर्मियों के बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी लेकर एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करें, जिससे समाज में बदलाव की प्रेरणा मिले।

माननीय राज्यपाल ने राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड राज्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अभी पीछे है। हम सभी को मिलकर इसमें सुधार लाने के लिए ठोस प्रयास करने होंगे। उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाना हम सबकी ज़िम्मेदारी है।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से कहा कि अपने सपनों से कभी समझौता मत कीजिए। कठिनाइयाँ आएँगी, लेकिन इनसे डरिए मत। यही संघर्ष भविष्य की

सफलता की सीढ़ी बनेगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।